सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 156 | इंदौर, शनिवार 20 दिसंबर, 2025 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

Headline

1. सिंगापुर से बांग्लादेश लाया गया उस्मान हादी का शव, अंतिम संस्कार भी बन गया बड़ी चुनौती
2. पाकिस्तान में फिर आतंकी हमला, सुसाइड बॉम्बर ने मिलिट्री पोस्ट को उड़ाया; 4 सैनिक मरे
3. Bangladesh: 'मोहम्मद यूनुस खुद दें दखल, भीड़तंत्र को हावी...', बांग्लादेश हिंसा पर शशि थरूर ने दी सलाह
4. दिल्ली में ठंड-प्रदूषण का डबल अटैक: घने कोहरे से थमी रफ्तार, IGI एयरपोर्ट ने जारी की एडवाइजरी; AQI 400 पार
5. एपस्टीन फाइल्स में खुलासा: लड़कियों के साथ नहाते दिखे क्लिंटन, ट्रंप की फोटो बेहद कम; तीन लाख दस्तावेज जारी
6. US: 'ये युद्ध की शुरुआत नहीं, बदला लेने का एलान है', ISIS के खिलाफ ऑपरेशन हॉकआई पर बोले अमेरिकी रक्षा मंत्री

अर्थ नीति ही तय करती है राष्ट्र की दिशा

सीएम बोले-निवेशकों की जैसी जरूरत, वैसी मदद करेगी सरकार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसी भी राष्ट्र की आर्थिक मजबूती उसकी नीतियों और नेतृत्व की दूरदर्शिता पर निर्भर करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीता दशक भारत की अर्थव्यवस्था के लिए स्वर्णिम काल साबित हुआ है। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत ने तेज गति से विकास करते हुए विश्व मंच पर अपनी सशक्त पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुंबई में आयोजित वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम कॉन्क्लेव-2025 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दुनिया का हर बड़ा देश भारत के साथ साझेदारी करना चाहता है। सुदृढ़ आर्थिक नीतियों, संरचनात्मक सुधारों और आत्मनिर्भर भारत अभियान के कारण भारत शीघ्र ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

निवेशकों के लिए मध्यप्रदेश पूरी तरह तैयार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का औद्योगिक वातावरण तेजी से बदल रहा है। सरकार निवेशकों को बेहतर पॉलिसी, इन्सेंटिव, इको-सिस्टम और मार्केट लिंकेज उपलब्ध करा रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निवेशकों की जैसी जरूरत होगी, सरकार वैसी मदद करेगी। प्रदेश में पर्याप्त भूमि बैंक, जल संसाधन, कुशल मानव संसाधन और युवा शक्ति उपलब्ध है। उन्होंने निवेशकों से मध्यप्रदेश में बेहिचक निवेश करने का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

मध्यप्रदेश बन रहा विकास का नया केंद्र

मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश ने 18 नई औद्योगिक नीतियां लागू की हैं, जिससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को जमीन पर उतारा गया है। धार जिले में देश के सबसे बड़े पीएम टेक्सटाइल पार्क का भूमि-पूजन किया गया है। प्रदेश में 20 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं और बीते तीन वर्षों में लाखों रोजगार सृजित हुए हैं। प्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी और एपीजीसी-एक्सआर हब जैसी नई पहल लागू की गई हैं। जल्द ही स्पेस टेक पॉलिसी भी लाई जाएगी।

पर्यटन, ऊर्जा और कृषि में भी मजबूती

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2024 में रिकॉर्ड 13.41 करोड़ पर्यटक मध्यप्रदेश पहुंचे। उज्जैन धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन चुका है। राज्य स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भी अग्रणी है। रीवा का सोलर पार्क, ओंकारेश्वर का फ्लोटिंग सोलर प्लांट और नीमच का पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट इसकी मिसाल हैं। मध्यप्रदेश को भारत का फूड बास्केट बताते हुए उन्होंने कहा कि गेहूं, सोयाबीन, मक्का और मिलेट्स उत्पादन में राज्य अग्रणी है। फार्मास्यूटिकल्स राज्य के कुल निर्यात का बड़ा हिस्सा हैं।

बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी पर जोर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर के बाद अब भोपाल में मेट्रो सेवा शुरू हो रही है। प्रदेश में 8 एयरपोर्ट संचालित हैं और आईटी, ऑटोमोबाइल, ईवी और टेक्सटाइल सेक्टर में तेजी से निवेश बढ़ रहा है। पीथमपुर को देश का डेट्रॉयट कहा जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश डबल इंजन सरकार के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में यह निवेश और रोजगार का बड़ा केंद्र बनेगा।

मौत की खबर सुनकर भी नहीं पहुंचे रिश्तेदार, पुलिस ने कराया दाह संस्कार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर के लसुड़िया क्षेत्र में मिले पति-पत्नी के शव को लेने उनके रिश्तेदार भी नहीं आए। पुलिस ने मृतक कन्हैयालाल के भाई से संपर्क किया था, लेकिन उन्होंने पुलिस अफसरों के सामने खुद आने में असमर्थता जताई और कहा कि वे खुद दोनों का दाह संस्कार करवा दें। कन्हैयालाल का परिवार आजमगढ़ उत्तर प्रदेश में रहता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह प्राकृतिक बताई गई।

कन्हैयालाल और उनकी पत्नी स्मृति दोनों मकान में अकेले रहते थे। उनकी कोई संतान भी नहीं थी। जांच में कन्हैयालाल का शव दस से बारह दिन का पाया गया, जबकि स्मृति की मौत चार-पांच दिन पहले हुई थी। पुलिस यह अंदाजा लगा रही है कि पति की मौत के बाद स्मृति ने अपने रिश्तेदारों से संपर्क किया होगा, लेकिन कोई नहीं आया, तो वह शव के साथ ही कमरे में रही होगी। पुलिस ने उनके मोबाइल भी जब्त किए हैं, ताकि यह पता चल सके कि उन्होंने अंतिम बार किससे बात की थी। पड़ोसियों ने बताया कि एसआईआर फॉर्म के लिए कर्मचारी आए थे तो उन्होंने स्मृति से संपर्क किया था। तभी उन्हें देखा था। उसके बाद वह नजर नहीं आई। घर का दरवाजा भी अक्सर बंद ही रहता था। दूधवाले को भी स्मृति ने दूध देने मना कर दिया था। गुरुवार सुबह जब घर से बदबू आई तो रहवासियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों के शव बरामद किए थे। शुक्रवार को दोनों का अंतिम संस्कार करवा दिया गया।

औद्योगिक इकाइयों में स्वास्थ्य सुरक्षा एवं अग्नि शमन व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर कार्यालय में कार्यशाला आयोजित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर जिले की औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य संरक्षण तथा अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में आज एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कलेक्टर श्री वर्मा स्वयं मौजूद रहे। उन्होंने औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधियों से खुला संवाद किया। उन्होंने सभी औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधियों से कहा कि वे अपने-अपने कारखानों में सुरक्षा संबंधी सभी उपाय सुनिश्चित करें। अधिकारियों द्वारा कारखानों का भ्रमण किया जाएगा। औद्योगिक इकाईयों में सुरक्षा प्रबंधों के लिए विस्तार से जानकारी दी जाएगी। सुरक्षा प्रबंध करने के लिए समय दिया जाएगा। निर्धारित समय में सुरक्षा प्रबंध नहीं करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

कार्यशाला में अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, महाप्रबंधक उद्योग श्री स्वप्निल गर्ग सहित अग्निशमन, श्रम, उद्योग, स्वास्थ्य एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के संचालक एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिले में संचालित समस्त औद्योगिक इकाइयों में स्वास्थ्य सुरक्षा, अग्नि शमन प्रणाली, आपातकालीन प्रबंधन एवं औद्योगिक सुरक्षा मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना रहा। कार्यशाला के दौरान औद्योगिक इकाइयों में फायर सेफ्टी ऑडिट, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता एवं उनकी नियमित जांच, आपातकालीन निकास मार्ग, विद्युत सुरक्षा, रासायनिक पदार्थों के सुरक्षित भंडारण तथा श्रमिकों के लिए प्राथमिक उपचार एवं स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही संभावित औद्योगिक दुर्घटनाओं की स्थिति में त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई हेतु मॉकड्रिल एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन पर भी विशेष बल दिया गया।

अधिकारियों द्वारा औद्योगिक इकाइयों के संचालकों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि वे शासन द्वारा निर्धारित सभी सुरक्षा मानकों एवं नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। जिन इकाइयों में सुरक्षा व्यवस्थाओं में कमी पाई जाएगी, उन्हें सुधार के लिए निर्धारित समय दिया जाएगा, किंतु समयावधि में सुधार नहीं करने वाली इकाइयों के विरुद्ध वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार इंदौर जिले में औद्योगिक सुरक्षा, श्रमिकों के स्वास्थ्य संरक्षण तथा अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रशासन द्वारा निरंतर निगरानी रखी जाएगी। आमजन एवं श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस प्रकार की कार्यशालाएं एवं निरीक्षण अभियान आगे भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।

एम.पी. ट्रांसको में ई-ऑफिस के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ कांट्रेक्टर्स और वेंडर्स के भुगतान को दें प्राथमिकता

लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, तीव्र एवं जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ कंपनी से जुड़े कांट्रेक्टर्स एवं वेंडर्स के लंबित भुगतानों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटाने के निर्देश एम.पी. ट्रांसको के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने मुख्यालय में आयोजित 20वीं उच्चस्तरीय त्रैमासिक समीक्षा बैठक के दौरान दिये।

बैठक में प्रबंध संचालक ने स्पष्ट किया कि ट्रांसमिशन प्रणाली के सुदृढ़ संचालन, समयबद्ध परियोजना क्रियान्वयन एवं गुणवत्ता बनाए रखने में कांट्रेक्टर्स एवं वेंडर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में जिन मामलों में कार्य पूर्ण हो चुका है और सभी तकनीकी व वित्तीय औपचारिकताएं पूरी हैं, उनके भुगतान में अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि समय पर भुगतान से न केवल कांट्रेक्टर्स एवं वेंडर्स का मनोबल बढ़ता है, बल्कि कार्यों की गति, गुणवत्ता एवं भविष्य की परियोजनाओं के क्रियान्वयन में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

डिफाल्टर एजेंसी को करें ब्लैक लिस्ट

साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जो कांट्रेक्टर्स और वेंडर्स समय पर कार्य नहीं कर रहे हैं और जिनकी वजह से राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली परियोजनाएं प्रभावित हो रही हैं, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। ऐसे डिफाल्टर कांट्रेक्टर्स और वेंडर्स को ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्लैकलिस्ट किए गए कांट्रेक्टर्स एवं वेंडर्स प्रदेश की किसी भी विद्युत कंपनी में कार्य करने के पात्र नहीं होंगे।

ई-ऑफिस क्रियान्वयन पर हुई चर्चा

त्रैमासिक समीक्षा बैठक में ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से फाइल मूवमेंट, भुगतान प्रक्रिया, परियोजना प्रगति, मॉनिटरिंग और निर्णय प्रक्रिया को और अधिक तेज, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाया जाए। उन्होंने कंपनी में ट्रेनिंग मॉड्यूल के कल्चर से मिली सफलताओं को रेखांकित करते हुये कहा कि इसे सतत बनाये रखने की आवश्यकता है। उन्होंने नई तकनीकों को ट्रांसमिशन सिस्टम में सटीकता के साथ समावेश करने के निर्देश दिये।

राष्ट्रीय हित की परियोजनाओं पर दें विशेष ध्यान

राज्य सरकार द्वारा मॉनिटरिंग की जा रही राष्ट्रीय हित की विभिन्न परियोजनाओं को लेकर विशेष जोर देते हुए प्रबंध संचालक ने कहा कि ऐसी सभी परियोजनाओं के संपादन की गति बढ़ाई जाए और उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए।

कलेक्टर श्री वर्मा को दिव्यांग छात्रों ने दी दिल से दुआएं

जनसुनवाई में आई आईटीआई की बड़ी गड़बड़ी पर एसडीएम श्रीमती प्रिया वर्मा की सख्त कार्रवाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की जनसुनवाई एक बार फिर संवेदनशील प्रशासन का उदाहरण बनी। पिछली जनसुनवाई में एक दिव्यांग छात्रा अपनी मां के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंची थी। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को मूक-बधिर दिव्यांग छात्रा ने सांकेतिक भाषा के माध्यम से सुखलिया स्थित आईटीआई संस्थान में चल रही गंभीर अनियमितताओं और विद्यार्थियों के साथ हो रहे अन्याय की जानकारी प्रमाण सहित दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने तत्काल जांच करने और औचक निरीक्षण कर कार्रवाई करने के लिए एसडीएम श्रीमती प्रिया वर्मा पटेल को निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशानुसार आज एसडीएम श्रीमती प्रिया वर्मा पटेल ने सुखलिया स्थित आईटीआई संस्थान में बिना पूर्व सूचना के पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीधे विद्यार्थियों से संवाद किया और

उनकी समस्याएं विस्तार से सुनीं।

निरीक्षण के दौरान संस्था की गेस्ट फैकल्टी इंद्रा द्वारा की जा रही गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जांच में पाया गया कि विद्यार्थियों से पढ़ाई के बजाय झाड़-पोछा, मैदान की सफाई जैसे कार्य कराए जा रहे थे। इसके साथ ही विद्यार्थियों से हर माह पांच-पांच सौ रुपये की अवैध वसूली भी की जा रही थी। इन सभी आरोपों के ठोस प्रमाण भी मौके पर मिले।

विद्यार्थियों के साथ अमानवीय और अपमानजनक व्यवहार को गंभीर मानते हुए एसडीएम श्रीमती प्रिया वर्मा ने संबंधित गेस्ट फैकल्टी को तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश दिए। साथ ही अन्य जिम्मेदार फैकल्टी के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। संस्था प्रबंधन ने अपनी गलतियों को स्वीकार किया। एसडीएम श्रीमती प्रिया वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि एक सप्ताह के भीतर सभी व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया, तो संस्था के विरुद्ध और भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्रीमती प्रिया वर्मा ने संस्था के प्रत्येक कक्ष, प्रयोगशाला और परिसर का निरीक्षण किया तथा शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को पूरी तरह सुधारने के निर्देश दिए। यह कार्रवाई कई घंटों तक चली।

एसडीएम श्रीमती प्रिया वर्मा ने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि उनकी सुरक्षा, सम्मान और न्याय सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से कलेक्टर श्री वर्मा ने उन्हें भेजा है।

इस कार्रवाई से दिव्यांग छात्रा सहित अन्य सभी विद्यार्थी बेहद प्रसन्न नजर आए। बच्चों ने मौके पर ही इंदौर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया और दिल से दुआएं दी। आज विद्यार्थियों के चेहरों पर राहत, खुशी और एक नई आजादी का एहसास साफ दिखाई दिया।

यातायात श्रमिकों के लिये विशेष नेत्र परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

आखों की जांच की गई नि:शुल्क- सुरक्षा संबंधी उपायों और नियम-कानूनों की दी गई जानकारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में श्रम विभाग द्वारा यातायात श्रमिकों के लिये लगातार शिविर लगाये जा रहे है। इसी सिलसिले में शुक्रवार को वीआईपी ट्रेवल्स डिपो, राजीव गांधी चौराहा में कार्यरत मोटर यातायात श्रमिकों हेतु नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में यातायात श्रमिकों की आखों की निःशुल्क जांच की गई तथा उन्हें सुरक्षा संबंधी उपायों और नियम-कानूनों के बारे में बताया गया। सहायक श्रम आयुक्त श्रीमती मेघना भट्ट ने बताया कि श्रमिकों को श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं अधिनियमों के प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही ई श्रम पंजीयन के लाभ से अवगत कराते हुए कतिपय श्रमिकों के ई श्रम पंजीयन की कार्यवाही भी की गई। विशेष रूप से मोटर परिवहन श्रमिक अधिनियम, 1961 (Motor Transport Workers Act, 1961) के अंतर्गत श्रमिकों को प्रदत्त सुविधाओं जैसे– स्वास्थ्य एवं सुरक्षा (Health & Safety) प्रावधान, कार्य के घंटे एवं विश्राम अवकाश (Hours of Work & Rest Intervals), वार्षिक अवकाश (Annual Leave with Wages), कल्याण सुविधाएँ जैसे कैंटीन, प्राथमिक चिकित्सा एवं आराम कक्ष के बारे में विस्तार से समझाया गया। अधिनियम के अनुसार मोटर यातायात श्रमिकों के स्वास्थ्य की देखभाल एवं कल्याण नियोक्ता की जिम्मेदारी है। श्रम विभाग समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, जागरूकता कार्यक्रम एवं निरीक्षण के माध्यम से श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा हेतु प्रतिबद्ध है। शिविर में बड़ी संख्या में मोटर यातायात श्रमिकों ने भाग लेकर नेत्र परीक्षण कराया और विभागीय योजनाओं तथा मोटर परिवहन श्रमिक अधिनियम- 1961 की जानकारी प्राप्त की।

ट्रैफिक को सुधारने के लिए ई-रिक्शा को सेक्टर में बांटने की तैयारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर के ट्रैफिक को सुधारने के लिए ट्रैफिक पुलिस ई-रिक्शा को सेक्टर में बांटने की तैयारी पूरी कर चुकी है। प्लान के हिसाब से इंदौर को 32 थानों के अंतर्गत 10 सेक्टरों में बांटा जाएगा। अब ई-रिक्शा चालक उसी क्षेत्र में वाहन चला सकेगा, जहां वह निवास करता है। तय रूट से बाहर ई-रिक्शा चलाने पर चालानी कार्रवाई होगी। जिन ई-रिक्शा के दस्तावेज पूरे नहीं होंगे, उन्हें न तो यूनिक नंबर मिलेगा और न ही सड़कों पर चलने की अनुमति।

यातायात विभाग के अनुसार, शहर में फिलहाल करीब 10,500 पंजीकृत ई-रिक्शा चल रहे हैं, जबकि बिना पंजीकरण वाले वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इससे न सिर्फ ट्रैफिक बिगड़ रहा है, बल्कि पंजीकृत चालकों के सामने भी रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो रहा है। यातायात डीसीपी आनंद कलादगी ने बताया कि पहले ई-रिक्शा को छह सेक्टर में बांटने की योजना थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 10 सेक्टर कर दिया गया है। हर सेक्टर में दो से तीन थानों को शामिल किया गया है। हर ई-रिक्शा को यूनिक पहचान नंबर मिलेगा। इसी रंग और नंबर से चालक और वाहन की पहचान होगी। बताया जा रहा है कि ई-रिक्शाओं को कलर कोडिंग के आधार पर सेक्टर बांटे जाएंगे। अलग-अलग कलर की रिक्शाओं को अलग-अलग सेक्टर दिए जाएंगे। ये ई-रिक्शा उसे सेक्टर में चलेंगी। ई-रिक्शाओं पर सेक्टर क्रमांक, ई-रिक्शाओं की नंबरिंग सहित अन्य जानकारी रहेंगी। आटो रिक्शा संघ के अनुसार बैठक में यह सवाल भी उठा कि नए खरीदे जा रहे ई-रिक्शा को कौन-सा रूट मिलेगा। इस पर अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नए ई-रिक्शा को ग्रामीण और बाहरी मार्ग दिए जाएंगे। इनमें धार रोड, कलारिया, खंडवा रोड, तलावली चांदा, मांगलिया, राऊ-रंगवासा जैसे इलाके शामिल होंगे। नई व्यवस्था के तहत ई-रिक्शा गलियों में भी पिक-एंड-ड्राप कर सकेंगे, जिससे यात्रियों को घर के पास सुविधा मिलेगी और मुख्य सड़कों पर दबाव कम होगा।

ई-रिक्शा के लिए तय हुआ रूट प्लान

सेक्टर-1 : अन्नपूर्णा, द्वारकापुरी, चंदन नगर (चार मार्ग)

सेक्टर-2 : सराफा, छत्रीपुरा, पंढरीनाथ (चार मार्ग)

सेक्टर-3 : जूनी इंदौर, रावजी बाजार, भंवरकुआं, तेजाजीनगर (छह मार्ग)

सेक्टर-4 : एरोड्रम, सदर बाजार, मल्हारगंज, गांधीनगर, बाणगंगा (पांच मार्ग)

सेक्टर-5 : राऊ, राजेंद्र नगर (तीन मार्ग)

सेक्टर-6 : आजाद नगर, संयोगितागंज, छोटी ग्वालटोली, पलासिया (सात मार्ग)

सेक्टर-7 : कोतवाली, एमजी रोड, तुकोगंज (छह मार्ग)

सेक्टर-8 : तिलक नगर, कनाड़िया, खजराना (छह मार्ग)

सेक्टर-9 : एमआइजी, परदेशीपुरा, हीरानगर (सात मार्ग)

सेक्टर-10 : लसूडिया, विजय नगर (छह मार्ग)

सोशल मीडिया पर सामने आया फोटो

राऊ क्षेत्र में ब्लैक पैंथर दिखने का दावा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें इंदौर के राऊ स्थित केट रोड की बस्ती में ब्लैक पैंथर (काला तेंदुआ) दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। पैंथर की 12 साल के बच्चे ने फोटो खींची है, जो एआई और डीपफेक एक्सपर्ट की जांच में ओरिजनल पाया गया है। हालांकि, वन विभाग के अधिकारी ब्लैक पैंथर होने की पुष्ट नहीं कर रहे हैं।

ब्लैक पैंथर का वीडियो सामने आने के बाद प्रशिक्षु रेंजर पायल शर्मा और उनकी टीम जांच में जुट गई है। जिस स्थान पर पैंथर देखे जाने की बात की गई है, उसे क्षेत्र में सर्चिंग शुरू कर दी गई है। बस्ती में निगरानी बढ़ा दी गई है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की जा रही है। वहीं पैंथर का फोटो खींचने का दावा करने वाले बच्चे से भी पूछताछ की जा रही है। वन अधिकारी इसकी भी जांच कर रहे हैं कि यह फोटो कहीं और का तो नहीं है। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक मध्यप्रदेश में अब तक ब्लैक पैंथर सिवनी मालवा के जंगलों में ही देखा गया है। यदि इंदौर क्षेत्र में इसकी मौजूदगी की पुरी तरह पुष्टि होती है, तो यह प्रदेश के लिए एक दुर्लभ और महत्वपूर्ण घटना होगी। सिवनी मालवी में भी ब्लैक पैंथर कम ही दिखाई देता है। यह 'द जंगल बुक' के प्रसिद्ध किरदार के रूप में भी जाना जाता है। जिस बच्चे ने ब्लैक पैंथर का फोटो खींचने का दावा किया है वह वन कर्मचारियों की पूछताछ में बार-बार बयान बदल रहा है। इस कारण वास्तविकता पता करने में देरी हो रही है। कर्मचारी बच्चे के साथ ही उसके माता-पिता, पड़ोसी और बस्ती के अन्य लोगों से भी पूछताछ कर रहे हैं।

इंदौर हाईकोर्ट में आज से शीतकालीन अवकाश

जिला कोर्ट में 24 दिसंबर से छुट्टियां

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में शीतकालीन अवकाश की शुरुआत 20 दिसंबर से हो रही है। हालांकि औपचारिक रूप से अवकाश 22 दिसंबर से घोषित हैं, लेकिन 20 दिसंबर शनिवार और 21 दिसंबर रविवार होने के कारण न्यायिक कार्य पहले ही बंद हो जाएगा। हाईकोर्ट में ये छुट्टियां 2 जनवरी तक रहेंगी। इसके बाद 3 जनवरी शनिवार और 4 जनवरी रविवार होने से सामान्य कामकाज नए साल में 5 जनवरी से शुरू हो पाएगा।

अवकाश अवधि के दौरान हाईकोर्ट में केवल अत्यावश्यक मामलों की सुनवाई की जाएगी। जिला न्यायालयों में शीतकालीन अवकाश 24 दिसंबर से शुरू होंगे। यहां भी 20 दिसंबर शनिवार और 21 दिसंबर रविवार की नियमित छुट्टी रहेगी, जबकि 22 और 23 दिसंबर को कोर्ट खुली रहेंगी। जिला कोर्ट में अवकाश 1 जनवरी तक रहेंगे और 2 जनवरी से कामकाज शुरू होगा। इसके बाद 3 और 4 जनवरी को शनिवार और रविवार की छुट्टी रहेगी। स्टेट बार काउंसिल के सदस्य एनके जैन ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर जिला न्यायालयों में 2 जनवरी को भी अवकाश घोषित करने की मांग की है। यदि यह मांग स्वीकार हो जाती है, तो जिला कोर्ट में भी सामान्य कामकाज 5 जनवरी से ही शुरू होगा। गौरतलब है कि 12 जनवरी को इंदौर में कई जनहित याचिकाओं सहित अन्य महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई प्रस्तावित है, ऐसे में अधिवक्ताओं और वादकारियों की नजरें कोर्ट प्रशासन के अगले फैसले पर टिकी हुई हैं।

उच्च शिक्षा विभाग से जांच में मिली क्लीन चिट

कट्टरता फैलाने के आरोप से प्रिंसिपल बरी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. इनामुर्रहमान को तीन साल बाद कट्टरता फैलाने के आरोपों में मध्य प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग से क्लीनचिट मिल गई है। मामले में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आंदोलन किया था और रहमान के खिलाफ भंवरकुआं पुलिस ने केस दर्ज किया था।

दिसंबर 2022 में इंदौर के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज में शिक्षकों पर धार्मिक कट्टरता फैलाने का आरोप लगा। मामले में एबीवीपी ने आरोप लगाए थे कि यहां किताब, सामूहिक हिंसा और दांडिक न्याय पद्धति को पढ़ाया जा रहा है जो धार्मिक सौहार्द के खिलाफ है। तब पुलिस ने किताब के लेखक डॉ. फरहत खान, प्रिंसिपल डॉ. इनामुर्रहमान और

प्रो. डॉ. मिर्जा मोइज के खिलाफ केस दर्ज किया था। सभी पर आरोप था कि किताब में बिना साक्ष्य के हिन्दू धर्म के खिलाफ झूठी टिप्पणियां की गईं। मुस्लिम शिक्षकों ने जानबूझकर छात्रों को रैफर किया। इस मामले में तब तत्कालीन गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने गिरफ्तारी की बात कही थी। फिर सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में मप्र शासन के रवैये पर फटकार भी लगाई थी। मप्र उच्च शिक्षा विभाग के अवर सचिव वीरन सिंह भलावी द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया है। इसमें बताया गया कि एबीवीपी द्वारा इस संबंध में की गई शिकायत के बाद जांच समिति बनाकर रिपोर्ट ली गई। रिपोर्ट में समिति ने कॉलेज में धार्मिक कट्टरता फैलाने, पक्षपात करने, सौहार्दता को भंग करने और सरकारी नीतियों के खिलाफ छात्रों को गुमराह करने की बात कही थी। इन आरोपों में उन्हें 9 दिसंबर 2022 को सस्पेंड किया गया था।

कंडक्टर के शव के मामले में हत्या का मामला दर्ज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर के एमआईजी थाना क्षेत्र में बुधवार को एक बस के नीचे मिले कंडक्टर के शव के मामले में पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। शुरुआती जांच में हादसे की कहानी सामने आई थी, लेकिन शॉर्ट पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने के बाद यह मामला हत्या में तब्दील हो गया। रिपोर्ट से पता चलता है कि कंडक्टर के साथ मारपीट की गई थी।

मृतक की पहचान सचिन (38) पिता सुखदेव मंडलोई निवासी डाबरी जिला खरगोन के रूप में हुई है। पुलिस ने मृतक के साथ बस में काम करने वाले ड्राइवर रतलाल उर्फ रतन पिता दुलेसिंह गुर्जर निवासी मानपुर को आरोपी बनाया है। आरोपी ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बुधवार को शव मिलने के बाद ड्राइवर रतन ने पुलिस को बताया था कि कंडक्टर सचिन दिनभर शराब के नशे में था। रात में जब वह बस में सोने नहीं आ रहा था तो उसे जबरन बस में लाया गया। इसी दौरान वह बस से गिर गया और पास बने सीमेंट के ओटले से सिर टकराने से घायल हो गया। रतन ने यह भी दावा किया था कि खुले में पड़े रहने और ठंड के कारण सचिन की मौत हो गई। हालांकि पुलिस को शुरू से ही ड्राइवर की कहानी पर संदेह था। गुरुवार शाम आई शॉर्ट पोस्ट मार्टम रिपोर्ट में सचिन के शरीर पर कई जगह चोटों के निशान पाए गए। इसके बाद पुलिस ने आरोपी ड्राइवर से सख्ती से पूछताछ की, जिसमें उसने सचिन के साथ मारपीट करने की बात स्वीकार कर ली। आरोपी ने बताया कि शराब के नशे में सचिन उससे विवाद कर रहा था, जिसके चलते उसने रॉड से उसके साथ मारपीट की। गंभीर रूप से घायल होने के बाद वह उसे खुले मैदान में छोड़कर चला गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ड्राइवर और मृतक कंडक्टर इंदौर-शिर्डी-पुणे रूट की बस पर साथ में काम करते थे। बस में खराबी आने के कारण दोनों रोबोट चौराहे के पीछे एक मैकेनिक से बस की मरम्मत करवा रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद हुआ, जो मारपीट में बदल गया।

पार्षद निशा देवलिया का निर्वाचन अब शून्य नहीं

इंदौर। भाजपा वार्ड 44 की पार्षद पद को लेकर दो साल से चल रहा विवाद पर अब विराम लग गया है। इंदौर हाई कोर्ट ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए भाजपा पार्षद निशा रूपेश देवलिया के पक्ष में निर्णय दिया है। हाईकोर्ट ने न केवल जिला कोर्ट द्वारा पार्षद का निर्वाचन शून्य घोषित करने के आदेश को रद्द कर दिया, बल्कि कांग्रेस प्रत्याशी को विजेता घोषित करने के फैसले को भी पूरी तरह खारिज कर दिया। नगर निगम चुनाव 2022 में वार्ड 44 से भाजपा प्रत्याशी निशा देवलिया ने भारी वोटो से जीत दर्ज की थी। हालांकि कांग्रेस की रनर-अप प्रत्याशी नंदिनी मिश्रा (नंदिनी आशीष मिश्रा) ने चुनाव परिणाम को चुनौती देते हुए जिला कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि निशा देवलिया ने नामांकन के दौरान प्रस्तुत शपथ-पत्र में अपनी संपत्ति से जुड़ी जानकारी छुपाई और संपत्ति कर में विसंगतियां कीं।

कृषि मंत्री बोले-

किसान कर्जमाफी हमारे घोषणापत्र में नहीं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। एमपी की मोहन सरकार के दो साल पूरे होने पर भोपाल में कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कृषि विभाग की उपलब्धियां बताईं। इस दौरान कृषि मंत्री से पत्रकारों ने पूछा कि दो साल की उपलब्धियों में किसान कर्जमाफी योजना का कहीं जिक्र नहीं किया? क्या वो योजना बंद कर दी गई है? इसके जवाब में कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना ने कहा- किसान ऋणमाफी योजना हमारे घोषणा पत्र में कुछ था ही नहीं। ये कांग्रेस के में था भाजपा के में नहीं था। हमारे तो चुनाव घोषणा पत्र में था ही नहीं। भाजपा के चुनाव घोषणा पत्र में ये था मप्र में हमारी सरकार बनेगी तो हम किसान का कर्जा माफ करेंगे। इस पर कमलनाथ जी की सरकार बनी। और जब कमलनाथ ने उस वादे को पूरा नहीं किया तो वह सरकार चली भी गई थी ये आपको मालूम है। खाद संकट को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में मंत्री कंसाना ने कहा- खाद की कोई समस्या नहीं हैं। ये कांग्रेस के मित्र कहते हैं। मप्र में कोई एक आदमी बता दो जो कहे कि मैं खाद की समस्या की वजह से फसल नहीं बो पाया। कोई एक आदमी बता दो जो आपको मिला हो। मैनेजमेंट के लिए हम लोग खाद की होम डिलीवरी करा रहे हैं। घर-घर तक खाद पहुंचाएंगे।

दिग्विजय ने गडकरी से कहा

अधूरे हाईवे पर टोल वसूल रहे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

बैतूल। मध्य प्रदेश में बैतूल-भोपाल नेशनल हाईवे (NH-46) के अधूरे निर्माण कार्य के बावजूद टोल वसूली जारी रहने का मुद्दा संसद तक पहुंच गया है। गुरुवार को राज्यसभा में कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने यह मामला उठाते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से जवाब मांगा और इसे जनता के साथ अन्याय बताया। सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि वे नितिन गडकरी को देश के सबसे प्रभावशाली और कुशल मंत्रियों में मानते हैं, लेकिन अधूरी और खराब सड़कों पर टोल वसूली उचित नहीं है। मंत्री स्वयं बैतूल आकर सड़क की हालत देख चुके हैं और अधिकारियों को फटकार भी लगा चुके हैं, फिर भी टोल बंद नहीं होना चिंताजनक है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी 25 अक्टूबर 2015 को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने बैतूल-भोपाल नेशनल हाईवे का निरीक्षण किया था।

मध्यप्रदेश आई.ए.एस. एसोसिएशन सर्विस मीट 2025 का किया शुभारंभ

भारत अब हर चुनौती और परिस्थिति का सामना करने में सक्षम

- भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हर चुनौती का सामना करते हुए देश को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रहे हैं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वामी विवेकानंद का विचार था कि 21वीं सदी भारत की होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रभावी नेतृत्व और मार्गदर्शन में आज विवेकानंद जी का यह स्वप्न साकार होता दिख रहा है। वर्तमान में विश्व का हर देश भारत से मित्रता करना चाहता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत अब हर चुनौती और परिस्थिति का सामना करने में सक्षम है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की भूमिका के आधार पर ही भारत आज दुनिया के सामने मजबूती से खड़ा है। हमारे प्रशासनिक अधिकारी हर चुनौती का सामना करते हुए देश को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। भारत की अनेक विविधताओं के बीच आज देश में यह सेवा क्षेत्र मजबूती और प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव म.प्र. आई.ए.एस. एसोसिएशन सर्विस मीट-2025 के शुभारंभ अवसर पर प्रशासन अकादमी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। शुभारंभ अवसर पर मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, सेवानिवृत्त अधिकारियों सहित मध्यप्रदेश कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को इस अवसर पर स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश की आजादी के बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयासों के फलस्वरूप प्रशासनिक व्यवस्था निर्मित हो पाई। देश में राजाओं की सत्ता को प्रजातंत्र में बदलने में प्रशासनिक अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। हमारे देश की संवैधानिक व्यवस्था में संघीय प्रणाली है और इस बीच प्रदेश के अधिकारियों ने केंद्र-राज्यों के साथ समन्वय करते हुए राज्य की बेहतर छवि बनाई है। मध्यप्रदेश एक प्रयोगशाला की तरह है, जहां कई क्षेत्रों में लगातार नवाचार हुए और इनमें से कई नवाचारों का देश-दुनिया में अनुसरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी योग्यता और अनुभव के महत्व को पहचानते हैं। इसी का परिणाम है कि सेवाकाल के बाद भी कई अधिकारियों के अनुभव का लाभ शासन व्यवस्था को मिल रहा है। प्रदेश के सभी प्रशासनिक अधिकारी सम्मान के हकदार हैं। प्रसन्नता का विषय है कि सभी अधिकारी एक परिवार की तरह हर कठिनाई से निकलने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। मध्यप्रदेश आईएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष एसीएस श्री मनु श्रीवास्तव ने कहा कि सर्विस मीट में नए चेंजर्स की सफलता पर विमर्श किया जाएगा। मध्यप्रदेश ऐसा राज्य है, जो सभी को अपना लेता है। प्रदेश के आईएएस अफसर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर सेवाएं दे रहे हैं। मध्यप्रदेश आईएएस एसोसिएशन एक परिवार की तरह है। आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री पी. नरहरि ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य में सेवा का कार्य पूर्ण गरिमा के साथ किया जा रहा है।

शाह के खिलाफ महिला कांग्रेस का प्रदर्शन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह द्वारा लाड़ली बहना योजना की लाभार्थी महिलाओं की जांच कराने के बयान का लगातार विरोध हो रहा है। मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी के नेतृत्व में भोपाल में महिला कांग्रेस ने प्रदर्शन किया।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से मंत्री विजय शाह के बंगले का घेराव करने जा रही महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रेडक्रॉस चौराहे पर बैरिकेडिंग कर रोक लिया। इस दौरान महिला कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। प्रदर्शनकारी महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रेडक्रॉस हॉस्पिटल के सामने से गिरफ्तार कर पुलिस वैन में भर लिया। थोड़ी देर बाद पुलिस वैन से ही महिला कांग्रेस नेत्रियों को पीसीसी छोड़ दिया। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी ने कहा- विजय शाह जो महिलाओं के लिए जो शब्द बार-बार निकालते हैं उसकी समझाइश देने के लिए हम और हमारी महिला कांग्रेस की बहनें उनके बंगले पर जा रहे थे। पिछले पांच दिनों से महिला कांग्रेस प्रदेश भर में उनके पुतले जला रही है, लेकिन उनके खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। उनकी हिम्मत इसलिए बढ़ती है, क्योंकि वो पहले भी कई बार हमारे देश की बेटियों को अपमानित कर चुके हैं। तब भी उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

प्रदेश की 8 एमएसएमई इकाइयों ने मुंबई में की सहभागिता बढ़ाया मध्यप्रदेश का मान-सम्मान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश की सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों ने अन्नपूर्णा अनूफूड इंडिया-2025 में सहभागिता कर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। यह प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय फुड प्रोसेसिंग और एग्री मुंबई में हुआ। प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश की कुल 8 एमएसएमई इकाइयों ने भाग लिया, जिनमें 3 इकाइयाँ महिला उद्यमियों द्वारा संचालित हैं। सभी चयनित इकाइयों को उद्योग विभाग, द्वारा विभागीय सहयोग प्रदान किया गया। विभाग द्वारा इकाइयों को निःशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए गए तथा संपूर्ण लॉजिस्टिक एवं आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए इकाइयों का चयन उद्योग विभाग द्वारा किया गया जिसमें उनके उत्पादों की गुणवत्ता, नवाचार क्षमता एवं बाजार संभावनाओं को आधार बनाया गया। प्रदर्शनी के दौरान उद्यमियों ने अपने उत्पादों का प्रभावी प्रदर्शन किया एवं देश-विदेश से आए क्रेताओं एवं व्यापारिक प्रतिनिधियों से सार्थक व्यावसायिक संवाद स्थापित किया। यह सहभागिता स्थानीय एमएसएमई इकाइयों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने, निर्यात संभावनाओं के विस्तार तथा महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उद्योग विभाग की यह पहल प्रदेश में उद्यमिता, रोजगार सृजन एवं आर्थिक विकास को सशक्त रूप से आगे बढ़ा रही है। महिला सशक्तिकरण एवं मातृ शक्ति को उद्यमिता की ऊंचाईयों तक पहुंचाने का विभाग का यह अभिनव प्रयास है। विभागीय महिला अधिकारियों ने इस पहल को अमली जामा पहनाया। अन्नपूर्णा अनूफूड इंडिया में मध्यप्रदेश की कुल 8 एमएसएमई इकाइयों में पुष्पा फूड्स प्रोडक्टस-जबलपुर, आरोहन अग्री फूड्स प्राइवेट लिमिटेड – भोपाल, हैलाइड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड – जबलपुर, ग्रेनोक्सी -शहडोल, ऑवन क्लासिक्स – जबलपुर, रमन ग्रीन प्राइवेट लिमिटेड – डिंडोरी, निर्मल मसाला – हरदा, पराज इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड – मण्डला ने भाग लिया। उनमें से 3 इकाइयाँ पुष्पा फूड्स प्रोडक्टस, हैलाइड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड और ऑवनक्लासिक्स महिला उद्यमियों द्वारा संचालित हैं और आरोहण एग्री, रमन ग्रीन एवं अधिमान्य स्टार्ट अप है।

प्रेमी के साथ गई बेटी तो घरवालों ने निकाली अर्थी

आटे से पुतला बनाया, चिता जलाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

विदिशा, एजेंसी। बेटी प्रेमी के साथ चली गई तो एक परिवार इस कदर टूटा कि उन्होंने उसे मरा मान लिया। उन्होंने बेटी का पुतला बनाकर अर्थी सजाई। शव यात्रा निकाली। रिश्तेदारों के साथ श्मशान घाट जाकर अंतिम संस्कार किया।

मामला विदिशा में चूना वाली गली का है। यहां रहने वाले कुशवाह परिवार की 23 वर्षीय बेटी सविता 13 दिसंबर को अचानक घर छोड़कर चली गई। परिवार वालों ने आसपास तलाश किया। रिश्तेदारों के यहां पता किया लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। परिजन ने कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने सविता को ढूंढ़कर परिजन के सामने पेश किया। सविता ने घरवालों के साथ जाने से मना कर दिया। कहा कि उसने प्रेमी संजू मालवीय के साथ शादी कर ली है। उसी के साथ रहना चाहती है। यह सुनकर कुशवाह परिवार सदमे में आ गया। परिजन ने खुद को घर में बंद कर लिया। मामले का पता चलते ही रिश्तेदारों ने परिजन से संपर्क किया। उन्हें ढांढस बंधाया। इसके बाद सविता के परिजन ने उसे मरा मानकर अंतिम क्रिया करने का फैसला किया। शुक्रवार को कुशवाह परिवार ने रिश्तेदारों को इकट्ठा किया। आटे से सविता का पुतला बनाया। उसे चिता पर लिटाया। फिर गाजे-बाजे के साथ शहर के चौक-चौराहों से अंतिम यात्रा निकाली।

संपादकीय

अब सरकारी मुहर से होगा ग्लोबल व्यापार

ओमान ने भारत के हलाल मीट सर्टिफिकेशन को आधिकारिक तौर पर स्वीकार कर लिया है। यह भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अब भारत सरकार 55 इस्लामिक देशों में भी इसी तरह की मान्यता दिलाने की कोशिश करेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारत उन देशों से बात कर रहा है जहां मांस और मांस उत्पादों के निर्यात के लिए हलाल सर्टिफिकेशन जरूरी है। उन्होंने कहा, 'पिछले तीन-चार सालों से हम खाड़ी देशों से, जो हलाल उत्पादों के सबसे बड़े खरीदार हैं, यह कोशिश कर रहे हैं कि वे अनौपचारिक तरीकों के बजाय हमारे औपचारिक हलाल सर्टिफाइड उत्पादों को स्वीकार करें।' ओमान की ओर से भारत के हलाल सर्टिफिकेशन को मान्यता देने से कई फायदे होंगे। इससे बार-बार टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही, खर्च कम होगा और भारतीय निर्यातकों के लिए बाजार में पहुंच आसान हो जाएगी। गोयल ने कहा, 'हम इस बात पर जोर देंगे कि केवल आधिकारिक तौर पर स्वीकृत हलाल सर्टिफिकेशन ही माना जाए। यह एक सही और प्रक्रिया-आधारित हलाल सर्टिफिकेशन है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनकी धार्मिक भावनाओं का सम्मान एक औपचारिक और आधिकारिक हलाल सर्टिफिकेशन प्रक्रिया के जरिए हो, न कि उन अनियमित तरीकों से जो दशकों से चले आ रहे हैं।' पहले, कई निजी संस्थाएं हलाल सर्टिफिकेट जारी करती थीं, जिन्हें सरकार की मंजूरी नहीं थी। मार्च 2023 में, DGFT ने एक नोटिफिकेशन जारी किया था। इसके तहत, सर्टिफिकेशन केवल क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की 'इंडिया कन्फॉर्मिटी असेसमेंट स्कीम (i-CAS) हलाल' के तहत और मान्यता प्राप्त एजेंसियों की ओर से जारी होने पर ही मान्य होगा। अक्टूबर 2024 की एक नोटिफिकेशन में कम से कम 15 देशों की सूची दी गई थी जहां हलाल मांस और मांस उत्पादों के सर्टिफिकेशन की आवश्यकता होती है। इनमें ओमान, यूएई, बांग्लादेश, तुर्किये, फिलीपींस और सिंगापुर जैसे देश शामिल हैं। यह नया कदम भारतीय मांस निर्यातकों के लिए एक बड़ा अवसर लेकर आया है। अब वे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पैठ और मजबूत कर पाएंगे। सरकार की यह पहल भारत को वैश्विक हलाल मांस बाजार में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी। यह न केवल आर्थिक रूप से फायदेमंद होगा, बल्कि भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक संवेदनशीलता को भी बढ़ावा देगा।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी

दो बैलों की कथा

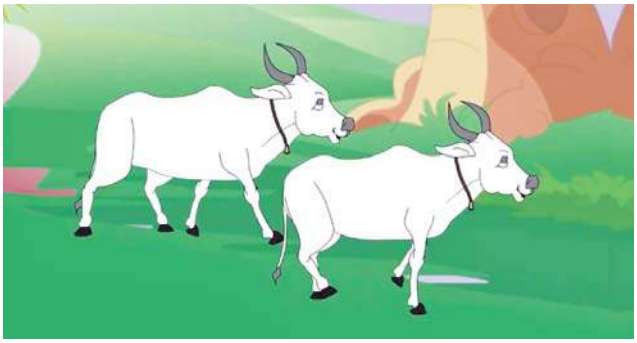

एक बार एक गांव में झूरी नाम का एक किसान रहता था। उसके दो बैल थे, हीरा और मोती। दोनों ही बैल हट्टे-कट्टे व बलशाली थे। झूरी को उन दोनों से बहुत लगाव था। दोनों बैल भी झूरी को बहुत पसंद करते थे।

हीरा और मोती का आपस में इतना लगाव था कि यदि कभी एक खाना न खाए तो दूसरा भी घास को मुंह तक नहीं लगाता था। एक दिन की बात है झूरी की पत्नी का भाई 'गया' दोनों बैलों को अपने साथ ले गया। दोनों बैल इस बात से हैरान थे कि उन्हें गया के हवाले क्यों किया गया है।

शाम होने तक दोनों नए घर व नए लोगों के बीच में थे, लेकिन उन्हें वहां सब बेगाना लग रहा था। रात को जब सभी सो रहे थे तो दोनों रस्सी तोड़कर झूरी के यहां भाग खड़े हुए। सुबह सवेरे ही जब झूरी ने उन्हें अपने यहां देखा तो दौड़कर गले से लगा लिया।

ये सब देखकर झूरी की पत्नी बिल्कुल खुश नहीं थी। उसने दोनों को खूब खरी खोटी सुनाई और यह निश्चय किया कि दोनों को खाने में केवल सूखा भूसा ही मिलेगा। अगले दिन 'गया' फिर आकर दोनों बैलों को अपने साथ ले गया।

गया पिछले कल की घटना से बेहद क्रोधित था, इसलिए उसने वहां भी दोनों को खाने के लिए सूखा भूसा ही दिया। किसी तरह रात कटी और सुबह दोनों को हल जोतने के लिए खेतों में ले जाया गया। हालांकि, दोनों ने जैसे एक कदम भी न उठाने की कसम खा रखी थी। दोनों की खूब पिटाई हुई, रात को खाने में फिर भूसा मिला।

दोनों निराश खड़े थे कि तभी वहां एक छोटी सी लड़की आई और दोनों को एक-एक रोटी खिलाकर चली गयी। एक-एक रोटी से दोनों का पेट तो नहीं भरा, लेकिन उनके दिल को सुकून जरूर मिल गया था। पता चला कि उस लड़की की सगी मां के मरने के बाद वह सौतेली मां के पास रहती थी। उसकी सौतेली मां उसे मारती रहती थी। शायद यही वजह थी कि उसे बैलों के लिए अपनापन था।

दोनों उस छोटी लड़की के बारे में सोचकर चुपचाप अपना समय बिताने लगे। एक रात दोनों ने सलाह करी कि वे दोनों गले में बंधी रस्सी को चबा-चबा कर तोड़ देंगे और वहां से भाग जाएंगे।

उसी रात जब वे रस्सी को तोड़ने की कोशिश कर रहे थे तो वही छोटी लड़की वहां आयी और उसने दोनों को रस्सी से आजाद कर दिया। दोनों ने छोटी लड़की से विदा ली और दौड़ने लगे। इतने में गया को इसकी खबर लगी और वह अपने आदमियों के साथ उन दोनों के पीछे दौड़ पड़ा।

हीरा और मोती इतना तेज भागे कि उन्हें अपने घर का रास्ता भी याद न रहा। वे रास्ता भटक गए थे। दोनों को भागते-भागते भूख भी लग पड़ी थी। रास्ते में मटर का एक खेत था, दोनों ने वहां जाकर जमकर मटर खाएं।

अभी दोनों खेत में चर ही रहे थे कि वहां एक सांड आ धमका। दोनों ने हिम्मत दिखाकर उसे वहां से खदेड़ दिया। इतने में मटर के खेत के सेवक हाथों में डंडा लिए आ पहुंचे। हीरा के पास भागने का मौका था, लेकिन जब उसने देखा की सेवकों ने मोती को पकड़ लिया है तो वह लौट गया।

दोनों बैलों को पकड़कर मवेशीखाने में बंद कर दिया गया।

उस मवेशीखाने में बहुत से जानवर कैद थे। वहां कई बकरियां, घोड़े, भैंसे, गधे बंधे थे, लेकिन किसी को भी खाने को कुछ नहीं दिया जाता था। इस वजह से सभी जानवर कमजोरी के कारण जमीन पर बेजान पड़े हुए थे।

जब पूरा दिन बीत जाने पर भी खाने को कुछ न मिला तो हीरा के सब्र का बांध टूट गया। उसने बाड़े की कच्ची दीवार पर जोर से अपने सींग गड़ा दिए। इससे मिट्टी का एक टुकड़ा निकल आया। यह देखकर हीरा को हिम्मत मिली और वह दौड़-दौड़कर अपने सींगों से दीवार की मिट्टी गिराने लगा।

तभी मवेशीखाने का चौकीदार हाथ में लालटेन लिए जानवरों की हाजिरी लगाने आ पहुंचा। हीरा की करतूत देखकर उसने उसकी डंडे से पिटाई शुरू कर दी और उसे मोटी रस्सी से बांध कर वहां से चला गया।

हीरा ने मोती से कहा, "आज अगर यह दीवार गिर जाती तो यहां बंधे हुए कितने ही जानवर आजाद हो पाते। यदि ये थोड़े दिन और यहां रुके तो कमजोरी से इनका मरना निश्चित है।"

यह सुनकर मोती बोला, "अगर ऐसी बात है तो मैं भी जोर लगाता हूं।"

ऐसा कहते ही मोती ने दीवार में उसी जगह वार किया और लगभग दो घंटों की कड़ी मेहनत से दीवार को तोड़कर गिरा दिया।

दीवार के गिरते ही घोड़े, भैंसें, बकरियां सब जल्दी से भाग गईं, लेकिन गधे वहीं खड़े रहे। लाख मनाने पर भी गधे अपने डर की वजह से वहीं खड़े रहे, उधर मोती अपने दोस्त हीरा की रस्सी को तोड़ने की पूरी कोशिश करता रहा।

अब जब सुबह होने वाली थी तो हीरा ने मोती से कहा, "दोस्त, मुझे नहीं लगता कि आज यह रस्सी टूटेगी। तुम यहां से भाग जाओ, वरना सबको पता चल जाएगा कि यह सब तुमने ही किया है। मुझे यहीं छोड़ कर तुम चले जाओ।"

यह सुनकर मोती की आंखों में आंसू आ गए। वह हीरा से बोला, "मित्र! मैं इतना स्वार्थी नहीं हूं कि मुश्किल के इस समय में तुम्हें छोड़कर चला जाऊं। मैं मरते दम तक तुम्हारे साथ ही रहूंगा। मुझे हर अपराध की सजा स्वीकार है। कम से कम इन जानवरों की जान बचाने का आशीर्वाद तो मिलेगा।"

इतना कहकर मोती ने गधों को सींग मारकर बाड़े से भगा दिया और स्वयं हीरा के पास आकर सो गया।

सुबह होते ही चौकीदार, मुंशी व अन्य सेवकों को जब इसकी भनक लगी तो मोती की खूब मरम्मत हुई और उसे भी मोटी रस्सी से बांध दिया गया।

लगभग एक हफ्ते तक दोनों वहीं बंधे रहे, लेकिन उन्हें खाने को कुछ नसीब नहीं हुआ। उन्हें केवल पानी ही पिलाया जाता। दोनों की हड्डियां निकल आई थीं। एक दिन बाड़े के सामने उनकी नीलामी शुरू हुई, लेकिन वो दोनों इतने कमजोर थे कि उन्हें खरीदने के लिए कोई तैयार नहीं था।

तभी एक आदमी सामने आया और दोनों बैलों को टटोलने लगा। मुंशी से कुछ मोल भाव करने के बाद वह उन दोनों को लेकर चल पड़ा। दोनों बैलों की नीलामी हो चुकी थी। हीरा और मोती दोनों डरे हुए थे, उनसे चला भी नहीं जा रहा था, लेकिन डंडे के डर से बेचारे उस आदमी के साथ साथ चलने लगे।

सहसा दोनों को महसूस हुआ कि यह वही रास्ता है जहां से गया उन्हें ले गया था। वही खेत, वही रास्ता और वही कुआं तो है जहां पर वे हल जोतने आया करते थे। अब उनकी सारी थकान दूर होने लगी और वह दोनों तेज-तेज चलने लगे।

जैसे ही उन्हें अपना घर और अपने बांधे जाने के जगह दिखाई दी दोनों भागकर उस ओर चल दिए। द्वार पर झूरी बैठा हुआ था। जैसे ही उसने दोनों बैलों को देखा उसने उन्हें गले लगा लिया। दोनों बैलों की आंखों में आंसू आ गए।

तभी वह आदमी वहां बैलों के पीछे-पीछे पहुंच गया और उसने दोनों बैलों की रस्सियां पकड़ ली।

झूरी बोला, "ये मेरे बैल हैं।"

आदमी ने कहा, "मैंने इन्हें मवेशीखाने की नीलामी से खरीदा है।"

झूरी तपाक से बोला, "मेरे बैलों को बेचने का हक किसी को नहीं है। अगर मैं इन्हें बेचूंगा, तभी ये बिकेंगे।"

आदमी ने जवाब दिया, "मैं थाने में जाकर रपट दर्ज करवाता हूं।"

झूरी बोला, "ये मेरे बैल हैं, इसका सबसे बड़ा सबूत यह है कि यह मेरे द्वार में खड़े हैं।"

फिर उस आदमी ने आव देखा न ताव और बैलों को अपनी ओर खींचने लगा। तब दोनों बैलों ने भी उसे अपने सींगों से खदेड़ दिया और गांव से दूर भगा दिया।

इतनी देर में दोनों बैलों के लिए भूसा, दाना और चारा भर दिया गया। हीरा और मोती दोनों मिलकर चारा खाने लगे। झूरी साथ में खड़ा उन्हें सहला रहा था। तभी झूरी की पत्नी भी अंदर से आई और उसने दोनों बैलों के माथे चूम लिए और खूब प्यार दिया।

कहानी से सीख

इस कहानी से हमें दो बातें सीखने को मिलती है, पहली यह कि हमें अपनी स्वाधीनता के लिए अपने अंतिम समय तक संघर्ष करते रहना चाहिए। दूसरी सीख यह मिलती है कि हमारे जीवन में चाहे कितनी भी मुश्किलें क्यों न आए, लेकिन सच्चे दोस्त हमेशा साथ निभाते हैं।

New Delhi

'चाइल्ड ट्रैफिकिंग के मामलों में संवेदनशील बनें अदालतें' सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालतों को जारी की नई गाइडलाइंस

नई दिल्ली, (एजेंसी) सुप्रीम कोर्ट ने भारत में चाइल्ड ट्रैफिकिंग और कमर्शल यौन शोषण को एक गंभीर और चिंताजनक सच्चाई बताया है। कोर्ट ने कहा कि चाइल्ड ट्रैफिकिंग की विक्टिम की गवाही में कमियां न निकालें। शीर्ष अदालत ने कहा कि अदालतों को ऐसे मसलों में संवेदनशील रहना चाहिए। कोर्ट ने कहा है कि यह कोई इक्का-दुक्का घटना नहीं है, बल्कि एक संगठित और गहराई तक फैला हुआ अपराध है, जो कानून होने के बावजूद लगातार जारी है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालतों के लिए अहम गाइडलाइंस भी जारी की हैं, ताकि नाबालिग विक्टिम को न्याय मिल सके और

उनके साथ फिर कभी ऐसा अन्याय न हो।

जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने बेंगलुरु के एक व्यक्ति और उसकी पत्नी की सजा को बरकरार रखते हुए गाइडलाइंस दीं। दंपती पर एक नाबालिग लड़की की तस्करी कर उसे वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर करने का आरोप था। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट और कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसलों को सही माना और दंपती की अपील खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि ट्रैफिकिंग और यौन शोषण की शिकार नाबालिग विक्टिम की गवाही को बहुत संवेदनशील तरीके से देखा जाना चाहिए। अदालतों को चेताया कि बयान में छोटी मोटी विसंगतियों, घटनाओं की सही तारीख या जगह याद न रख पाने या विक्टिम के व्यवहार को लेकर रूढ़िवादी सोच के आधार पर उसकी गवाही को खारिज नहीं किया जाना चाहिए।

Rajasthan

बाड़मेर में ड्रग फैक्टरी का भंडाफोड़, 80 करोड़ की एमडी जब्त; भारी मात्रा में सामग्री बरामद

बाड़मेर, (एजेंसी) बाड़मेर जिले में पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ एक और बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस थाना सदर क्षेत्र के केरली, आदर्श चवा इलाके में छापामारी कर अवैध एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्टरी का पर्दाफाश किया गया। कार्रवाई के दौरान मौके से करीब 40 किलो एमडी ड्रग बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 80 करोड़ रुपये आंकी गई है।

पुलिस ने फैक्टरी से भारी मात्रा में ड्रग्स बनाने में प्रयुक्त रसायन, मशीनें और अन्य उपकरण भी जब्त किए हैं। जब्त सामग्री से लगभग 50 करोड़ रुपये की अतिरिक्त एमडी ड्रग्स तैयार की जा सकती थी। इस पूरी सामग्री की कुल कीमत करीब 85 करोड़ रुपये बताई गई है, जिससे यह मामला और भी गंभीर हो जाता है।

एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि डीएसटी टीम को सूचना मिली थी कि सदर थाना क्षेत्र के आदर्श चवा इलाके में एक मकान में अवैध एमडी फैक्टरी संचालित हो रही है। सूचना के आधार पर डीएसटी और सदर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने भैराराम पुत्र हनुमानाराम जाट के मकान पर दबिश दी, जहां से अवैध मादक पदार्थ और निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद की गई।

पुलिस ने मौके से मकान मालिक भैराराम पुत्र हनुमानाराम जाट निवासी केरली, आदर्श चवा को गिरफ्तार कर लिया है।

Assam

असम में राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से 8 हाथियों की मौत

होजई. असम के होजई जिले में शनिवार सुबह सैरांग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से आठ हाथियों की मौत हो गई. जबकि एक हाथी घायल हो गया. इस बात की जानकारी एक फॉरेस्ट अधिकारी ने दी. नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (NFR) के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस घटना में पांच डिब्बे और ट्रेन का इंजन पटरी से उतर गए. हालांकि किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं है. प्रवक्ता ने बताया कि नई दिल्ली जाने वाली ट्रेन सुबह करीब 2.17 बजे दुर्घटनाग्रस्त हुई. नागांव डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर सुभाष कदम ने बताया कि यह घटना होजई जिले के चांगजुरई इलाके में हुई. सूचना मिलते ही कदम और दूसरे फॉरेस्ट अधिकारी मौके पर पहुंच गए. हादसे के बाद जमुनामुख-कम्पुर सेक्शन से गुजरने वाली ट्रेनों को UP लाइन से डायवर्ट कर दिया गया है और मरम्मत का काम चल रहा है. सैरांग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस मिजोरम के सैरांग (आइजोल के पास) को आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) से जोड़ती है. ट्रेन में सवार यात्रियों ने बताया कि सुबह अचानक उन्हें झटका लगा. जिसके बाद ट्रेन के कुछ डिब्बे पटरी से उतर गए और ट्रेन रुक गई. ट्रेन के पटरी से उतरने के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई.

Chhattisgarh

स्कूल में कदम रखते ही बेहोश हो जाती हैं छात्राएं

राजनांदगांव, (एजेंसी) छत्तीसगढ़ का एक स्कूल रहस्य और डर का कारण बन गया है। स्कूल में पिछले कुछ दिन से छात्राएं अचानक बेहोश हो जाती हैं। करीब दो दर्जन छात्राओं संग यह स्थिति बन चुकी है। घर से वे अच्छी-भली स्कूल आती हैं, लेकिन यहां आकर अचानक बेहोश हो जाती हैं। प्रबंधन ने हेल्थ कैंप लगाकर

सभी का चैकअप कराया तो सारी रिपोर्ट नार्मल आ रही हैं। प्रबंधन और परिजन दोनों घटनाओ को लेकर परेशान हैं। जानकारी अनुसार खैरागढ़ जिले में छुईखदान ब्लॉक स्थित शासकीय प्राथमिक शाला खैरबाना इन दिनों डर, चर्चा और सवालों का केंद्र बना हुआ है। बीते पंद्रह दिनों से स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं की तबियत अचानक बिगड़ जाती है और वे बेहोश हो कर गिरने लगती है। प्रबंधन के अनुसार करीब दो दर्जन छात्राएं अब तक बेहोश हो चुकी हैं। छात्राएं करीब आधे घंटे तक अचेत हो जाती हैं। वहीं जिला प्रशासन ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए स्कूल में मेडिकल कैंप लगवाया है। डॉक्टर ने ब्लड टेस्ट समेत सभी जरूरी जांच भी की हैं, लेकिन किसी तरह की शारीरिक बीमारी, संक्रमण या जहरीले पदार्थ के प्रमाण नहीं मिले हैं। सभी छात्राओं की रिपोर्ट सामान्य आने के बाद यह रहस्य अब गहराता नजर आ रहा है।

खेल

भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बरकरार रखा जीत का सिलसिला

लगातार सातवीं टी20 सीरीज पर जमाया कब्जा

अहमदाबाद, (एजेंसी) भारत ने पांचवां टी20 मुकाबला 30 रन से जीत लिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को 3-1 से हराकर लगातार सातवीं टी20 सीरीज अपने नाम की। शुक्रवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 231 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 201 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई। इससे पहले भारतीय टीम ने पहला टी20 (101 रन) और तीसरा टी20 (7 विकेट) मैच जीता था, जबकि पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला मेहमानों ने 51 रन से जीता था। वहीं, लखनऊ में खेला जाने वाला चौथा टी20 मैच घने कोहरे के कारण रद्द हो गया था।

भारत ने विश्व चैंपियन बनने के बाद से सात टी20 सीरीज और एशिया कप अपने नाम किया। भारत 2023 से टी20 में अजेय है। दिलचस्प बात यह है कि भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह 35 मैचों में 21वीं जीत है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा 22 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले जीते हैं।

232 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी हुई थी। रीजा हैंड्रिक्स और क्विंटन डिकॉक के बीच पहले विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी हुई जिसे वरुण चक्रवर्ती ने तोड़ा। उन्होंने हैंड्रिक्स को शिवम दुबे के हाथों कैच कराया। वह 13 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, क्विंटन डिकॉक ने अपने करियर का 18वां अर्धशतक जड़ा और 65 रनों की दमदार पारी खेलकर पवेलियन लौटे। उन्हें बुमराह ने अपना शिकार बनाया।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डेवाल्ड ब्रेविस 17 गेंदों में 31 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। डेविड मिलर 18, जॉर्ज लिंडे 16, मार्को यानसेन 14 रन बनाकर आउट हुए जबकि कॉर्बिन बॉश और लुंगी एनगिडी क्रमशः 17 और सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के लिए वरुण चक्रवर्ती ने चार विकेट लिए जबकि जसप्रीत बुमराह को दो सफलताएं मिलीं। वहीं, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

इससे पहले, संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 63 रनों की साझेदारी हुई, जिसे कॉर्बिन बॉश ने तोड़ा। उन्होंने अभिषेक को डिकॉक के हाथों कैच कराया। वह 21 गेंदों में 34 रन बनाकर आउट हुए।

इस दौरान उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 1000 रन भी पूरे कर लिए। अभिषेक सबसे कम गेंदों में यह कारनामा करने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि 528 गेंदों में हासिल की। दूसरे स्थान पर कप्तान सूर्यकुमार यादव आए हैं, जिन्होंने 573 गेंदों में 1000 रन पूरे किए थे।

सिनेमा

नहीं रहे दिग्गज मलयालम एक्टर श्रीनिवासन, 69 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आई है. दिग्गज एक्टर, स्क्रीनराइटर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर श्रीनिवासन का 69 की उम्र में निधन हो गया है. एक्टर ने 20 दिसंबर (शनिवार) को अस्पताल में अंतिम सांस ली. बीते कुछ दिनों से वो अस्पताल में भर्ती थे. उनका इलाज चल रहा था, जिसके बाद उन्होंने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया. एक्टर के निधन की खबर से हर किसी को गहरा सदमा लगा है. बताया जा रहा है कि श्रीनिवासन लंबे समय से बीमार थे. अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था. मगर 20 दिवंबर को उनका निधन हो गया. श्रीनिवासन के यूं जाने से उनका परिवार टूट गया है. इंडस्ट्री में भी सन्नाटा छा गया है. फैंस और सेलेब्स समेत हर किसी की आंखें नम और दिल भारी है. मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के फेमस एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन ने दिग्गज अभिनेता श्रीनिवासन के निधन की खबर पर दुख जताया है. उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर कर लिखा- महान लेखक, निर्देशक, अभिनेता को अलविदा. उन हंसी और विचारों के लिए धन्यवाद.

1. **Convicts challenge 20-yr jail sentence in Kerala actress rape case**
2. **Never said I'd be K'taka CM for 2.5 yrs: Siddaramaiah on CM change**
3. **313 kg silver, cash seized from Delhi travel agent in 'dunki' case**
4. **Tharoor quotes Vajpayee amid B'desh protests, says 'Can't change geography'**
5. **52 schemes named after Gandhi family: Govt on MGNREGA renaming**

Adani Group has an $11-billion aviation plan that doesn't include an airline

NEW DEIHI, (Agency). The Ahmedabad-based Adani Group has a five-year, $11-billion expansion plan for its airports business but no plans to start an airline in the world's fastest growing aviation market.

What's the plan: The billionaire Gautam Adani-led conglomerate plans to bid for 11 airports that the Narendra Modi government wants to lease to the private sector, while incentivising building new ones.

The government wants to have 350-400 airports by 2047 from 163 at present. Earlier this year, New Delhi outlined plans to lease out 11 airports, including those at Amritsar and Varanasi.

"We will be bidding for all (11) of them," Jeet Adani, director at Adani Airports Holdings Ltd., told Reuters in an interview in Mumbai this week.

Why it matters: Adani's airport overdrive comes when India's aviation market has emerged as among the fastest growing in the world.

About17.4crorepassengers travelled from and within India by air in 2024, 10% more than a year ago, as per International Air Transport Association.

Indian airlines have placed orders for more than 1,300 aircraft since 2023.

Adani Airports, but what about Airlines?

Jeet Adani said that the Adani Group has no plans to enter the airline business dominated by IndiGo and Air India, citing thin margins.

"You need to have a certain mindset to run an airline. I don't think we have that mindset," he said. "Our comfort and our core competency is in creating hard assets on the ground, long gestation assets, running them quite efficiently."

By The Numbers

Adani Airports is largest operator in India by number of airports. The GMR Group, is the largest operator by number of passengers handled.

Adani Airports manages seven airports in India. Navi Mumbai International Airport, the first facility it has built from scratch, will start operations on 25 December.

CCI will investigate Indigo. But how did the airline become a monopoly?

NEW DEIHI, (Agency). That the Competition Commission of India has announced an investigation into IndiGo's mass flight cancellations was par for the course. Sure, the CCI hasn't specified the anti-trust laws that India's largest airline has violated, but its monopoly status in one of the world's fastest growing aviation market does warrant an inspection.

But how did IndiGo get to 65% market share in less than two decades of flying?By being "at the right place at the right time"—a concept alien to it at present.

IndiGo — A Brief History

IndiGo, operated by InterGlobe Aviation Ltd., started operations in 2006 with a modest fleet and few flights. But the timing, somehow, was right.

In 2007, the government decided to merge Air India and Indian Airlines to achieve economies of scale amid loss and debt. That came with its own integration challenges—that's a story for another time.

In the same year, Jet Airways bought Air Sahara but continued to hold on to a separate air operating certificate until the airline was grounded.

In 2008, Kingfisher Airlines merged with Air Deccan, just so that the "King of Good Times" could fly international.

While mergers kept rivals busy, IndiGo steadily took flight.

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

I AM NOT

- a Lover but will support you.
- a Friend but will guide you.
- a Lawyer but will assist you in getting justice.
- a Police but will help you in finding an evidences.
- an Uncle but will help in knowing your upcoming family's details.
- a Teacher but will suggest you a right direction.
- a Doctor but will cure your problems.
- a Driver but will take you to correct destination.

WHO AM I?

I AM THE DETECTIVE !

Helping Secretly & Securely...

WWW.DETECTIVEGROUP.IN

Visit our website & Submit your Query...
Team will contact you within 24 hrs...

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक